भारतीय इतिहास की मीमांसा

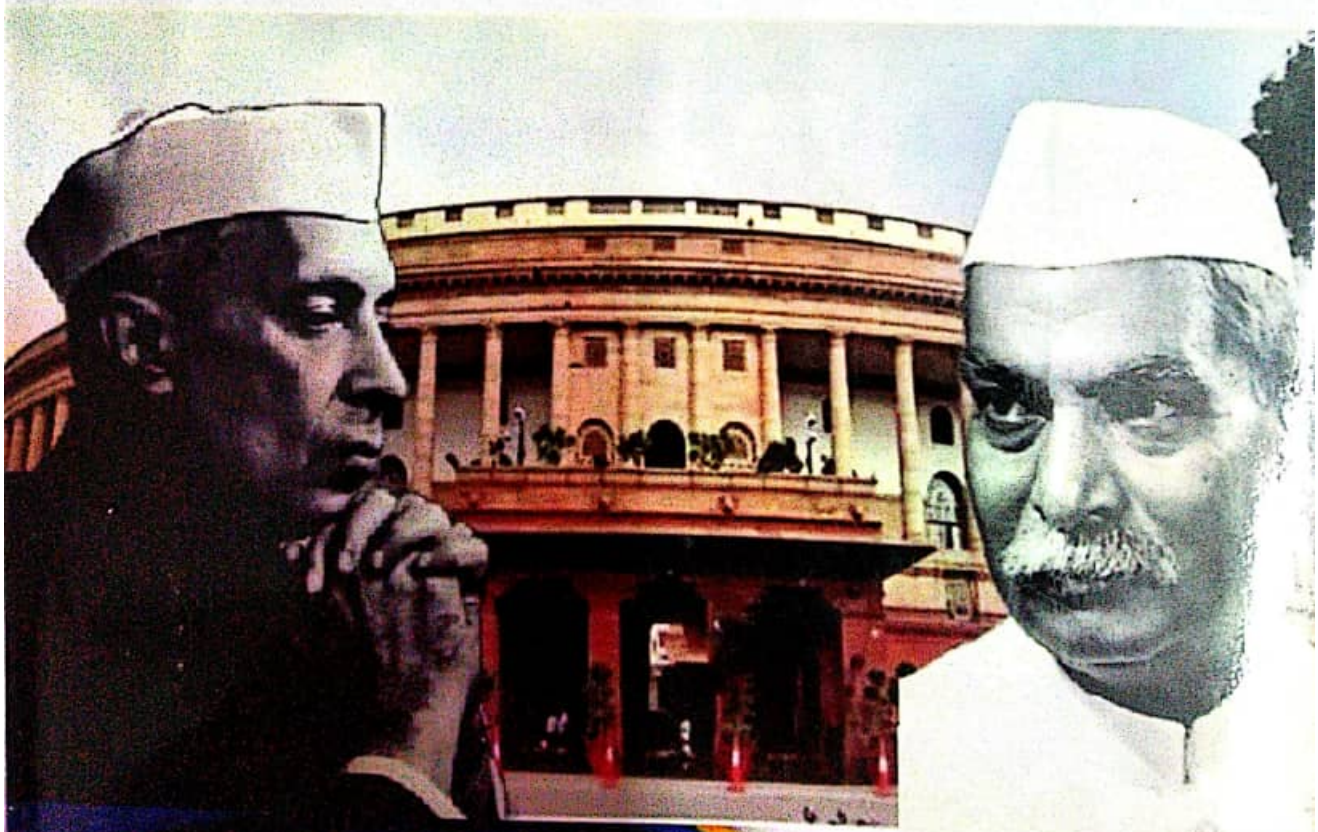

डॉ. रामस्वरूप ढेंगुला

Scanned with CamScanner

भारतीय इतिहास की मीमांसा

डॉ. रामस्वरूप ढेंगुला
एम. ए. पी.-एच. डी. इतिहास
बैचलर ऑफ लायब्रेरी सांईस
सेवानिवृत ग्रन्थपाल, म. प्र. शासन

राधा पब्लिकेशन्स
नई दिल्ली - 110002

Scanned with CamScanner

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2024

ISBN : 978-93-91014-81-0

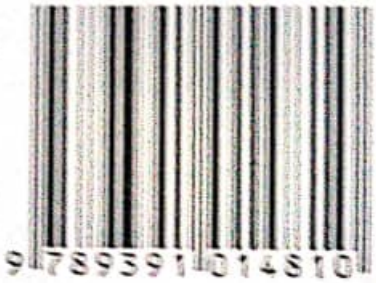

राधा पब्लिकेशन्स
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
8750551515, 9350551515

श्री नितिन गर्ग द्वारा राधा पब्लिकेशन्स के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Bharatiya Itihaas Ki Mimansa
By Dr. Ramswaroop Dhengula

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

भूमिका

अध्याय - एक 13

हमारा इतिहास और हम

अध्याय - दो 17

प्रारंभिक स्थिति और इतिहास

अध्याय - तीन 20

प्रारंभिक सम्पर्क का दौर और मुस्लिम आक्रमण

अध्याय - चार 31

मुगल दौर का समीक्षात्मक अध्ययन

अध्याय - पांच 37

छत्रपति शिवाजी काल

अध्याय - छै 40

अंग्रेजों से सम्पर्क और झांसी की रानी

अध्याय - सात 51

भारत, इंगलैन्ड के सीधे शासन में, शोषण और जन असंतोष

अध्याय - आठ 57

देश का शोषण और कांग्रेस का जन्म

अध्याय - नौ 64

गांधी युग का प्रारंभ

अध्याय - दस 68

गांधी दौर में देश की दुर्यवस्था

अध्याय - ग्यारह 74

क्रान्तिकारी आन्दोलन का दौर, और कम्युनिस्ट विचारधारा

Scanned with CamScanner

अध्याय - बारह 83
गांधी और रियासती अंग्रेजी भारत

अध्याय - तेरह 89
गांधी, द्वितीय विश्वयुद्ध का दौर और लीग का जन्म

अध्याय - चौदह 95
आजाद हिन्द फौज हिन्द फौज का गठन और सम्बन्धित घटनायें

अध्याय - पन्द्रह 111
दूसरे विश्वयुद्ध के बाद, देश की स्थिति

अध्याय - सोलह 120
केबीनेट मिशन, माउन्टबेटन का आगमन, दंगे, और विभाजन योजना

अध्याय - सत्रह 134
लगातार होते दंगों के बीच विभाजन और समकालीन नेता

अध्याय - अठरह 145
विभाजन के बाद की स्थिति, माउन्टबेटन, गांधी और पटेल की भूमिका

अध्याय - उन्नीस 153
उन्मादी विचारों का जन्म और गांधीजी का दुखद अवसान

अध्याय - बीस 172
गांधीजी के अवसान के बाद की स्थिति का आलोचनात्मक अध्ययन

अध्याय - इक्कीस 184
देशी रियासतों की स्थिति, समस्या और समकालीन राजनीति।

अध्याय - बाईस 198
रियासतों की विलय प्रक्रिया, संघर्ष और समाधान

अध्याय - तेईस 228
स्वतंत्र भारत में गोवा, दमन, दीव, की समस्या और उनका विलय

अध्याय - चौबीस 239
सांम्प्रदायिकता और इतिहास

अध्याय - पच्चीस 250
संप्रदायवाद के मध्य बौद्धिक चिंतन और जन्मभूमि प्रेम

अध्याय - छब्बीस 266
इतिहास के परिपेक्ष्य में शेष विचार-मंथन

उपसंहार - 369

Scanned with CamScanner

डॉ. रामस्वरूप ढेंगुला

• एम. ए., पी-एच. डी. इतिहास, बैचलर आफ लायब्रेरी सांइस, सेवानिवृत, ग्रन्थपाल।

• प्रकाशन—1. बुन्देलखन्ड का राजनैतिक सांस्कृतिक अनुशीलन। 2. बुन्देलखन्ड के परमार। 3. धंघेरखन्ड का इतिहास और उसकी 1857 में भूमिका। 4. कल्याण कृत लक्ष्मीबाई रायसौ का ऐतिहासिक विवेचन। 5. समझे लायब्रेरियनजी (कहानी संग्रह)। 6. हैलीकुट्‌आीजान (कहानी संग्रह)। 7. दतिया राज्य में 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, (स्वराज संस्थान भोपाल, फैलोशिप अंतर्गत प्रकाशाधीन)। 8. बुन्देलखन्ड इतिहास के सांस्कृतिक और सामाजिक प्रसंग,। 9. मध्यप्रदेश का इतिहास भाग दो, में भागीदारी, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।

• शोध-पत्र- देश के प्रतिष्ठित नटनागर शोध संस्थान सीतामऊ से प्रकाशित शोध साधना में लगातार प्रकाशन, भोपाल की चौमासा में प्रकाशन, बुन्देली बसन्त, और छत्रसाल दर्पण छतरपुर में प्रकाशन, प्रदेश के कई महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों की पत्रिकाओं में प्रकाशन, इतिहास संकलन योजना के अंतर्गत प्रकाशन, लगभग 100 शोध-पत्रों का वाचन व प्रकाशन। स्थानीय पत्रिकाओं, अखवारों में सामाजिक-सांस्कृकि सरोकारों के लेख आदि। वर्तमान में लगातार शोध कार्य और लेखन जारी।

सम्पर्क : ढेंगुला गली, कुंजनपुरा, दतिया म.प्र., 9407588157।

• प्रस्तुत ग्रन्थ, मूल स्त्रोतों पर आधारित "विन्ध्यखन्ड इतिहास के तीन अध्या... । ग्रन्थ अपने स्वरूप में बुन्देलखन्ड व वधेलखड अर्थात ओरछा राज्य व रीवा राज्य के, ... रूप का इतिहास है, इसे नये प्रयोग के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास लेखक ने किया है।

₹ 1250/-

ISBN : 978-93-91014-

RADHA PUBLICATIONS

4231/1, Ansari Road, Daryaganj
New Delhi-110002
Mob : 8750551515, 9350551515

Scanned with CamScanner